एक नजर में

तलाकशुदा महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल. खजूरी सड़क थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. महिला एक आर्मी अधिकारी के बेटी थी. महिला के पति ने तलाक दे दिया था. पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस के अनुसार 32 वर्षीय अंजली भदौरिया प्रोफेसर कॉलोनी में रहती थी. अंजली के पिता मोहन सिंह भारतीय सेना में कैप्टन हैं. अंजली पिछले कुछ सालो से तनाव में चल रही थी. अंजली की शादी 5 साल पहले थी. पति से अनबन के चलते बीते अप्रैल महीने में उसका तलाक हुआ था. अंजली के परिजनों के अनुसार तलाक के बाद वह तनाव में रह रही थी.

भोपाल यूनियन कार्बाइड के दोषियों की अपील पर सुनवाई

भोपाल. सीबीआई ने भोपाल के डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट में सोमवार को हुई सुनवाई में अपना पक्ष रखा. भोपाल यूनियन कार्बाइड के भारतीय दोषी अधिकारियों की अपील पर कोर्ट में सुनवाई की गई. सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार इस दौरान सीबीआई की ओर से कहा गया कि मामले में दोषियों की ओर से कोर्ट में दायर की गई याचिका सुनवाई योग्य नहीं है. जिसके लिए सीबीआई की ओरे से कोर्ट में लिखित और मौखिक रूप से तर्क भी रखे गए. साथ ही यह भी संज्ञान में बात लाई गई कि जिन धाराओं को चुनौती दी गई है.

बिना अनुमति प्राप्त किए आयोजनों के विरुद्ध होगी दंडात्मक कार्रवाई

भोपाल. पुलिस आयुक्त, नगरीय पुलिस भोपाल हरिनारायणचारी मिश्र ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा - 163 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है. जारी आदेश अनुसार समस्त प्रकार के आयोजनों जैसे धरना, प्रदर्शन, आंदोलन, जूलुस, रैली, आमसभा, पुतला दहन, पद यात्रा, रथ यात्रा, वाहन रैली, ज्ञापन, कार्यालय, निवास व शासकीय भवन का घेराव आदि के आयोजन के लिए पुलिस उपायुक्त, आसूचना एवं सुरक्षा, नगरीय पुलिस भोपाल से अनुमति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा.

भेल में सिंथेटिक रेज़िन कैटल प्लांट शुरू

बीएचई संवाददाता

भोपाल, 8 सितम्बर. बी एच ईएल, भोपाल में आयोजित एक साधारण समारोह में रूपेश तेलंग, महाप्रबंधक (फीडर्स, टीसीबी-मैन्युफैक्चरिंग, कमर्शियल एवं मेंटेनेंस) ने सीआईटी विभाग में स्थापित नए सिंथेटिक रेज़िन कैटल प्लांट का उद्घाटन किया.

इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी आशीष औरंगाबादकर, महाप्रबंधक (डब्ल्यूईएक्स एवं एमओडी); एस. ए. डोंगरे, महाप्रबंधक (फीडर्स); प्रीति गुप्ता, अतिरिक्त महाप्रबंधक (सीआईएम/सीआईटी एवं डीवीएस); दुश्यंत सुबेदार, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (सीआईएम); अनिल कुमार सिंह, प्रबंधक (सीआईएम/सीआईटी) सहित विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे. 250 लीटर क्षमता वाले इस प्लांट में आइसोप्थेलेट एडहेसिव वार्निश और आइसोप्थेलेट ग्लिप्टल वार्निश का उत्पादन किया जाएगा, जिसका उपयोग हाइड्रो एवं आईएमएम मशीन प्रोजेक्ट्स के लिए कॉइल निर्माण में किया जाएगा. अधिकारियों के अनुसार यह नई सुविधा पर्यावरण संरक्षण, उत्पाद गुणवत्ता, उत्पादन क्षमता वृद्धि और कर्मचारियों की सुरक्षा को और सुदृढ़ करेगी. यह कदम बीएचईएल की तकनीकी प्रगति और सतत औद्योगिक विकास की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है.

इंडोस्कोपी की जाँच को दे रहे 3 महीने बाद की तारीख

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 8 सितम्बर. शहर के सबसे आधुनिक अस्पताल में मरीजों की लम्बी कतारें और उनको मिलने वाली तारीखों से मरीज परेशान हो चुके हैं.

लेकिन इस पर सुनवाई और नई कोशिशे होती नहीं दिख रही है. एक तरफ जहाँ घंटों की लाईन में लगने के बाद मरीजों को डॉक्टर को दिखाने का नंबर मिलता है तो वही कई जांचों के लिए महीनो बाद की तारीखें दे दी जाती हैं. एम्स भोपाल में गैस्ट्रोलॉजी विभाग द्वारा दी जा रही इंडोस्कोपी की तारीखों में एक नहीं दो नहीं बल्कि 3 महीने से अधिक लम्बी तारीखों के कारण मरीज थक चुके है. लम्बे इंतजार के कारण कई बार मरीजों को बाहर जाकर प्राइवेट अस्पतालों में जांच करवानी पड़ती है, और ढेरों पैसे भरने पड़ते हैं. शहर में इतने बड़े चिकत्सीय अस्पताल और सुविधा होने के बाद भी बहार के अस्पतालों में जाँच के लिए जाना पड़े तो इस सुविधा का क्या काम है. जांच में लम्बे इन्तजार के कारण मरीजों की समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है. जिसकी जिम्मेदारी लेने वाला और कोई नहीं है. अस्पताल में इलाज कराने आये हजारों मरीजों की संख्या में दिन भर में कई लोगों को उनकी समस्या की गंभीरता के आधार पर इंडोस्कोपी, कोलोस्कोपी जैसी कई जांच लिखी जाती है.

बीएचईएल को मिला प्लैटिनम अवॉर्ड

भोपाल. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) के निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास) एस. एम. रमनाथन को 'ईईपीसी इंडिया क्वालिटी अवाड्र्स 2025' में पीएसयू श्रेणी का प्रतिष्ठित प्लैटिनम अवार्ड वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा प्रदान किया गया. यह सम्मान बीएचईएल की उत्कृष्टता, नवाचार और गुणवत्ता के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है.

बदमाश अवैध छुरी के साथ गिरफ्तार

भोपाल. थाना शाहजहाँनाबाद पुलिस ने एक बदमाश को अवैध छूरी के साथ गिरफ्तार किया है. बदमाश के खिलाफ कई संगीन मामले पहले से दर्ज है. आरोपी गणेश विसर्जन मे गंभीर घटना घटित करने की फिराक मे छूरी लहरा रहा था. आरोपी का वाजपेयी नगर ईदगाह हिल्स क्षेत्र मे आतंक बना हुआ था. पुलिस जानकारी के अनुसार आरोपी की पहचना विजय भार्गव उम्र 24 साल निवासी ईदगाह हिल्स के रूप में हुई है. विजय भार्गव के खिलाफ पूर्व से जुआ खेलने, गाली गलौच, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने, अडीबाजी जैसे 10 अपराधिक प्रकरण दर्ज है.

होटल, लॉज में ठहरने वालों का रखें विवरण

पुलिस आयुक्त भोपाल ने प्रतिबंधात्मक आदेश किए जारी

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 8 सितम्बर. पुलिस आयुक्त, भोपाल हरिनारायण चारी मिश्र ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए नगरीय क्षेत्र भोपाल शहर में आदेश जारी किए है.

जारी आदेश अनुसार कोई भी मकान मालिक जो अपना मकान या उसका कोई भाग किराये पर देते है तो वह ऐसा करने के एक सप्ताह के भीतर किरायेदार अथवा पेइंगगेस्ट का विवरण निर्धारित प्रारूप में भरकर संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिज़न पोर्टल पर आवश्यक रूप से देंगे. पूर्व से रह रहे किरायेदार या नौकर का विवरण भी निर्धारित प्रारूप में भरकर यह आदेश जारी होने की दिनांक से 15 दिवस के भीतर में संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिज़न पोर्टल पर आवश्यक रूप से देंगे. किसी भी व्यक्ति का घरेलू नौकर या उनका सहायक का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिज़न पोर्टल पर देंगे। होटल/लॉज/धर्मशाला/रिसोर्ट के प्रबंधक/मालिक उनके यहाँ ठहरने वाले व्यक्तियों का व्यक्तिगत विवरण पूर्ण रूप से रजिस्ट्रर में दर्ज करेंगें व इसकी जानकारी निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर जो भी स्थानीय स्तर पर प्रक्रिया निर्धारित की जाये उस अनुसार देंगे. इसी प्रकार छात्रावास संचालक छात्रावास में रह रहे छात्र/छात्राओं का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर देंगे.

सड़क हादसे में गई युवक की जान

विदेश से पढ़ाई पूरी कर देश लौटा था मृतक

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 8 सितम्बर. राजधानी भोपाल के वीआईपी रोड पर सोमवार को तड़के सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई. हादसा राजा भोज की प्रतिमा के पास हुआ. युवक को तुरंत ही इलाज के हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया.

जहां इलाज के दौरान डाक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह हादसा उस दौरान हुआ जब आगे चली रही एक ट्रक से पीछे आ रही एक काले रंग की एक क्रेटा कार टकरा गई. यह टक्कर जोरदार होने के कारण ड्राइविंग सीट पर बैठा युवक कार में बहुत देर तक फंसा रहा.

लोगों ने एंबुलेंस के लिए फोन किया और युवक को बड़ी मुश्किल से निकालते हुए असपताल पहुंचाया. हादसे के दौरान कार के परखचे उड़ गए. मौके पर पहुंची कोहेफिजा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस जानकारी के अनुसार 29 वर्षीय मृतक शांतनु अग्निहोत्री अपने दोस्तों से मुलाकात कर जब कोलार अपने घर जा रहा था.

इस दौरान सुबह के 5 बजे यह हादसा हुआ. शांतनु ने विदेश में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी की थी. उसने इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट न्यूजीलैंड से स्नातक किया था. शांतनु ने योजना बनाई थी कि भोपाल में रहकर वह गार्डनिंग से जुड़े व्यवसाय को शुरू करता.

आरजीपीवी में एबीवीपी का आंदोलन तेज़

झाबुआ इंजीनियरिंग कॉलेज को बचाने की उठाई मांग

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 8 सितम्बर. आरजीपीवी परिसर भोपाल में सोमवार को एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया. परिषद के लोगों ने इस दौरान विवि प्रशासन और शासन को चेतावनी दी कि जनजातीय छात्रों के हितों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

एबीवीपी के प्रदर्शन में की गई मांग को लेकर तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी को तत्काल पत्र भेजा गया. जिसमें यह स्पष्ट किया गया कि झाबुआ इंजीनियरिंग कॉलेज, जिसे आदिवासी अंचल के छात्रों को इंजीनियरिंग की उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के विशेष उद्देश्य से स्थापित किया गया था. उसी उद्देश्य के साथ सुरक्षित रखा जाए. पत्र में मेडिकल कॉलेज के लिए अन्य वैकल्पिक समाधान खोजने का आग्रह किया गया है. प्रांत सहमंत्री हिमांशु शर्मा ने इस मौके पर कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कुलपति का पुतला दहन कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया. आंदोलन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि यह संघर्ष केवल एक कॉलेज का नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के शैक्षिक अधिकारों और आत्मसम्मान का आंदोलन है. उन्होंने कहा कि झाबुआ इंजीनियरिंग कॉलेज जनजातीय छात्रों के लिए शिक्षा का प्रकाशस्तंभ है.

शादी का झांसा देकर विधवा महिला से किया दुराचार

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 8 सितम्बर. राजधानी में एक विधवा महिला की लाचारी का फायदा उठा कर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया. आरोपी शादी का झांसा देकर महिला के साथ यह कृत्य करता रहा.

मामले कि शिकायत के बाद शाहजहांनाबाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय पीड़िता की शादी साल 2023 में हुई थी. शादी के बाद महिला के दो बच्चे भी हुए. इस दौरान महिला के पति का निधन हो गया था. महिला के पति की मृत्यु के बाद उसके परिचय के युवक दानिश उसमानी ने नजदीकियां बढ़ानी शुरू की. मदद के बहाने से आरोपी दानिश लगातार महिला को बाहर भी मिलने के लिए बुलाने लगा. महिला बीते कुछ महीने से अपने दोनों बच्चों के साथ एक फ्लैट में शिफ्ट हो गई है. दानिश ने इस दौरान महिला का यह भरोसा जीता कि वह शादी करते हुए महिला और उसके बच्चों को अपना लेगा. बीते अप्रैल महीने में आरोपी ने पीड़िता को लालघाटी के एक होटल के रूम में ले गया.

गणेश प्रतिमा लेकर जा रहे जुलूस पर फेंका पत्थर

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 8 सितंबर, राजधानी के गौतम नगर थाना क्षेत्र में अराजक तत्वों दवारा सोमवार को गणेश प्रतिमा को विसर्जन के लिए लेकर जा रहे जुलूस पर पत्थर फेंककर हिंसा भड़काने की कोशिश की गई. जानकारी के अनुसार प्रतिमा को जबर विसर्जन के लिए लेकर धर्म समाज के लोग जुलूस में जा रहे थे.

इसी दौरान जुलूस पर किसी अज्ञात शख्स द्वारा पत्थर फेंका गया. इस घटना से नाराज जूलूस के लोगों ने गौतम नगर थाने का घेराव कर दिया. लोगों की मांग है कि पुलिस हिंसा भड़काने वाले लोगों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करे. पत्थर फेंकने वालों की पहचान करते हुए उनकी गिरफ्तारी की जाए. प्रत्यक्षदर्थियों के मुताबिक जब जुलूस के लोग गणेश प्रतिमा को श्रद्धाभाव के साथ आरिफ नगर से आ रहे थे. तभी काजी कैंप के पास जुलूस पर पत्थर फेंका गया. पत्थर फेंकने वाले की फिलहाल पहचान नहीं हो पाई है. लोगों का कहना है कि इस मामले में लोग शांतिप्रिय होकर पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रह हैं. गौतमनगर थाना पुलिस ने जुलूस को लोगों को आश्वासन दिया है कि ऐसा करने वालों को बक्शा नहीं जाएगा.

वायरल फीवर के मरीजों की संख्या 1200 के पार

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 8 सितम्बर. शहर के मौसमी बदलाव ने लोगों पर वायरल फीवर का पहाड़ तोड़ दिया है. एक तरफ जहां दिन में तेज धूप लोगों को जलाती है. तो शाम होते ठण्ड हवाओं से मौसम का मिजाज बदल जाता है. इस बीच शहर के जिला अस्पताल में वायरल फीवर के मरीज तेजी से बढ़ते जा रहे है.

पहले के मुकाबले वायरल के मरीजों की संख्या में 15 प्रतिशत से अधिक का इजाफा हो चुका है. बदलती हवा और धूप के चलते मौसमी बुखार की समस्या बच्चों से लेके बड़ों में देखी जा रही है. जो आम बुखार से काफी अधिक प्रभावशील है. जिसके बाद जिला शासकीय जेपी अस्पताल में रोजाना 1500 से अधिक मरीज केवल वायरल फीवर के आ रहे हैं. डॉ राकेश श्रीवास्तव बताते हैं, कि पहल यह संख्या 1000 की थी लेकिन अब

इसमें 15 से 20 प्रतिशत के इज़ाफे के साथ संख्या 1200 से अधिक आ रही है.

वायरल फीवर के लक्षण

इस तरह के बुखार में शरीर का तापमान अधिक होता है, सर दर्द की समस्या अधिकतर बनी रहती है, इम्युनिटी घटने की वजह से कमजोरी, उल्टी दस्त, सर्दी जुखाम, बदन दर्द जैसी समस्याएं होती हैं. जो अधिकतर बच्चों में बढ़कर निमोनिया का भी रूप ले लेती है. वही बड़ों में लम्बे समय तक वायरल की समस्या होने से उनकी प्लेटलेट्स में कमी भी हो सकती है.

> बचाव के लिए नियमित हाथ धोना, भीड़-भाड़ से बचना और मास्क पहनना ज़रूरी है। इससे राहत पाने के लिए खूब पानी पिएं, पर्याप्त आराम करें, और प्रतिरक्षा बढ़ाने वाला पौष्टिक आहार लें. इस मौसम में हलके बुखार, सर्दी जुखाम की समस्या होने पर तुरंत ही नजदीकी चिकित्सालय में सम्पर्क करना चाहिए। यदि बुखार की दवा ले रहे है तो इसे नियमित तौर पर 3 से 5 दिन के लिए एंटीबायटिक के साथ लें. लेकिन चिकत्सीय परामर्श के बाद ही दवाओं का उपयोग करें। इस समय अधिकतर मरीज वायरल फीवर के आरहे हैं. जिसमें बच्चों की संख्या अधिक है. जिसको ध्यान में रखते हुए हमने पहले से ही बच्चों के वार्ड के लिए अलग से जगह भी चिन्हित कर रखी है. आवश्यकता पड़ने पर वार्ड भी तैयार कर दिए जायेंगे। वर्तमान में अस्पताल में इस विषय रोग संबधित सभी जरुरी बातों का ध्यान रखा जा रहा है. सभी प्रकार की दवाइयां और चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध है.
>
> **राकेश श्रीवास्तव,** अधीक्षक जेपी अस्पताल, भोपाल)

पत्रकार वार्ता एमपी के निजी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एन .आर .आई . कोटे से प्रवेश में करोड़ों का फर्जीवाड़ा

एनआरआई कोटे पर धांधली का एनएसयूआई ने किया खुलासा

विशेष संवाददाता

भोपाल, 8 सितंबर. भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने आरोप लगाया है कि मप्र के निजी मेडिकल, डेंटल कॉलेजों में एनआरआई कोटे से प्रवेश में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है. संगठन ने बताया कि इस घोटाले से हर साल 800 से 1000 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की जा रही है.

मप्र कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी और एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि शासन, शिक्षा माफिया और निजी कॉलेज प्रबंधन की मिलीभगत से मेधावी और गरीब छात्र-छात्राओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है. परमार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए कॉलेज नकली एनआरआई सर्टिफिकेट बनवाकर मोटी रकम लेकर प्रवेश दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि मप्र शासन ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के विपरीत एनआरआई की परिभाषा ही बदल डाली.

> जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि इस फर्जीवाड़े से SC, ST, OBC और EWS वर्ग के मेधावी छात्रों को प्रवेश से वंचित किया जा रहा है. संगठन ने मांग की है कि अब तक एनआरआई कोटे से हुए सभी प्रवेशों की जांच हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की निगरानी में स्क्रस्र से करवाई जाए और दोषियों पर एफआईआर दर्ज हो. एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगा और जरूरत पड़ने पर अदालत का दरवाजा भी खटखटाएगा.

एनएसयूआई का आरोप है कि मेडिकल काउंसलिंग में जानबूझकर गड़बड़ी कर सीटें बेची जाती हैं. खासकर पीजी कोर्स की क्लिनिकल ब्रांच की सीटें एनआरआई कोटे में डालकर प्रति छात्र 2 से 3 करोड़ रुपये तक वसूले जाते हैं, जबकि नॉन-क्लिनिकल ब्रांच की सीटों को इसमें शामिल नहीं किया जाता.